

विद्यासागर विश्वविद्यालय

एम. ए. (हिन्दी) का पाठ्यक्रम

Vidyasagar University

Midnapore, Dist. Paschim Medinipur

Pin - 721102



एम. ए. का पाठ्यक्रम,
(वर्ष 2016-2017)

Syllabus of M. A. (Hindi) in the semester System

Semester - I-IV

सेमेस्टर - 1
हिंदी साहित्य का इतिहास
आदिकाल-मध्यकाल

पत्र : 101
कुल अंक : 50

लिखित - 40
आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल

- (क) साहित्येतिहास के सिद्धांत, साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
- (ख) आदिकाल - परिस्थितियाँ और पृष्ठभूमि, नामकरण, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य, गद्य साहित्य।
- (ग) पूर्व मध्यकाल - (भक्तिकाल) : भक्ति आंदोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप। निर्गुण और सगुण काव्य धाराओं की विशेषताएँ, सूफी काव्य का विकास तथा सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति और लोक जीवन के तत्त्व।
- (घ) उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल) : परिस्थितियाँ, काल, सीमा और नामकरण। दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परंपरा। रीतिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), रीति काव्य में लोक जीवन। रीतिकालीन गद्य साहित्य। रीतिकालीन प्रमुख कवियों और कृतियों का सामान्य परिचय।

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 =24

2. लघुत्तरी प्रश्न : 4X4 = 16

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 1

मध्यकालीन काव्य

पत्र : 102

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

मध्यकालीन काव्य

(क) विद्यापति : विद्यापति पदावली (सं.) कुमुद विद्यालंकार, जयवंशी झा। प्रकाशक : रीगल बुक डीपो, दिल्ली।

| | | |
|--------------------|----------------------------------|------------------|
| पद वंदना | - नंदक नंदन | (पद संख्या - 1) |
| नख-शिख | - पीन पयोधर दूबरी गाता | (पद संख्या - 1) |
| प्रेम प्रसंग | - सजनी, भल कए पेखल | (पद संख्या - 2) |
| | की लागि कौतुक | (पद संख्या - 11) |
| नोक-झोंक | - आई बै निपट साँझ | (पद संख्या - 1) |
| बसंत | - नब बृंदावन नब नब | (पद संख्या - 3) |
| | बाजत द्विगि द्विगि | (पद संख्या - 11) |
| विरह | - माधब, तोहे जनु जाह विदेस | (पद संख्या - 2) |
| | माधब हमर रटल | (पद संख्या - 11) |
| | सजनी, के कह आओब | (पद संख्या - 18) |
| प्रार्थना और नचारी | - विदिता देवी | (पद संख्या - 1) |
| | बड़ सुख सार | (पद संख्या - 22) |
| | माधब, कत तोर करब | (पद संख्या - 24) |
| | जतने जतेक धन | (पद संख्या - 27) |

(ख) कबीर : कबीर ग्रंथावली - (सं.) श्याम सुंदर दास (पद - 1, 6, 8, 11, 13, 16, 27, 39, 40, 43)

(ग) सूरदास : भ्रमरगीत-सार, (सं.) रामचंद्र शुक्ल (पद - 21, 23, 25, 34, 42, 62, 74, 76, 85)

(घ) तुलसीदास : रामचरित मानस (गीता प्रेस, गोरखपुर) रामराज्य वर्णन (दोहा - 20 से 30 एवं 36 से 41), कलि वर्णन (दोहा - 97 से 103)।

(ङ) मीराबाई : मीराबाई की पदावली (सं.) परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग (पद - 1, 2, 14, 18, 19)।

(च) घनानंद : घनानंद कवित्त (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (पद - 8, 14, 15, 16, 18, 19, 23, 29, 63, 69)

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 = 24

2. व्याख्या : 2X8 = 16

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 1
हिंदी साहित्य का इतिहास
आधुनिक काल

पत्र : 103
कुल अंक : 50

लिखित - 40
आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

- (क) नवजागरण की अवधारणा, हिंदी नवजागरण, बंगाल का नवजागरण, नवजागरण की प्रवृत्तियाँ, सन् 1857 का स्वाधीनता-संग्राम और नवजागरण।
- (ख) भारतेन्दु और महावीर प्रसाद द्विवेदी युगीन गद्य और पद्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी कृतियाँ।
- (ग) स्वच्छंदतावाद और छायावाद के उदय और विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। छायावाद के प्रमुख कवि और उनके काव्य।
- (घ) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता : वैचारिक पृष्ठभूमि, मुख्य प्रवृत्तियाँ। प्रतिनिधि कवि और उनके काव्य।
- (ङ) हिंदी गद्य के विविध रूप : संक्षिप्त इतिहास : उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना, नाटक, यात्रा-वृत्तांत, जीवनी, रिपोर्टाज।

अंक विभाजन :

| | |
|------------------------|------------|
| 1. आलोचनात्मक प्रश्न | : 2X12 =24 |
| 2. लघुत्तरी प्रश्न | : 4X4 = 16 |
| | 40 |
| 3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन | 10 |
| | |
| | कुल - 50 |

सेमेस्टर - 1 आधुनिक काव्य - 1

पत्र : 104

कुल अंक : 50

लिखित - 40

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

आधुनिक काव्य - 1

- (क) मैथिली शरण गुप्त - साकेत (नवम सर्ग)
(ख) जयशंकर प्रसाद - कामायनी (चिंता, श्रद्धा, आनंद)
(ग) सुमित्रानंदन पंत - नौका विहार, संध्या तारा, वाणी, ताज
(घ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - सरोज स्मृति, बादल-राग - 1, 2
(ङ) महादेवी वर्मा - यामा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
गीत - पंथ होने दो अपरिचित, सब आँखों के आँसू उजले,
विरह का जलजात जीवन।
(च) रामधारी सिंह 'दिनकर' - उर्वशी (केवल तीसरा सर्ग)

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 =24

2. व्याख्या : 2X8 = 16

40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

कुल - 50

सेमेस्टर - 2
भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का विकास

पत्र : 202

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का विकास

- (क) भाषा : परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा के विविध रूप।
- (ख) भाषा विज्ञान के अध्ययन की विविध पद्धतियाँ।
- (ग) स्वन विज्ञान और स्वनिम विज्ञान।
- (घ) रूप विज्ञान, अर्थ विज्ञान, वाक्य विज्ञान।
- (ङ) हिंदी का ऐतिहासिक विकास : अपभ्रंश, अवहट्ट, प्रारंभिक हिंदी का सामान्य परिचय। मध्यकालीन हिंदी भाषा की विशेषताएँ। मध्यकाल में अवधी और ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय।
- (च) 19वीं सदी के अंतर्गत खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। स्वाधीनता-संघर्ष के दौरान हिंदी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास। स्वतंत्र भारत में हिंदी का राजभाषा के रूप में विकास।
- (छ) हिंदी भाषा का मानकीकरण।

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 = 24

2. टिप्पणी : 4X4 = 16

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 2
साहित्य सिद्धांत एवं हिंदी की आलोचना

पत्र : 203

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

- (क) भारतीय काव्य शास्त्र : रस सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, औचित्य सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत
- (ख) पाश्चात्य काव्य शास्त्र : प्लेटो : अनुकृति सिद्धांत
अरस्तू : अनुकरण और विरेचन
कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत
रिचर्ड्स : मूल्य, संप्रेषण
टी. एस. इलियट : परंपरा की अवधारणा
लांजाइनस : औदात्य विवेचन
- (ग) हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि, भारतेंदुयुगीन समीक्षा, द्विवेदीयुगीन समीक्षा, शुक्लयुगीन आलोचना, शुक्लोत्तरयुगीन समीक्षा।
- (घ) रामचंद्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना-दृष्टि, नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध की आलोचना-दृष्टि
- (ङ) उत्तर आधुनिकता : दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श, किसान विमर्श

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 =24

2. टिप्पणी : 4X4 = 16

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 2

Syllabus for Choice Based Credit System (CBCS)

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदि, मध्य और आधुनिक काल)

पत्र : 204

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

(क) हिंदी साहित्य का काल-विभाजन एवं नामकरण

(ख) आदिकाल : परिस्थितियाँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ (सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य और गद्य साहित्य के विशेष संदर्भ में)।

(ग) मध्यकाल : (i) भक्ति काव्य

भक्ति आंदोलन : उदय एवं विकास तथा अखिल भारतीय स्वरूप।

(ii) अंतर्धाराएँ - निर्गुण (ज्ञान एवं प्रेममार्गी) एवं सगुण (कृष्णभक्ति एवं रामभक्ति) के विशेष संदर्भ में।

(iii) रीतिकाव्य : परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ (प्रमुख कवि एवं काव्यधाराओं के विविध संदर्भ में)

(घ) आधुनिक काल : भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

(ङ) हिंदी गद्य : विविध रूप : नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना - उद्भव-विकास।

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 = 24

2. टिप्पणी : 4X4 = 16

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 3
हिंदी कहानी एवं उपन्यास

पत्र : 301
कुल अंक : 50

लिखित - 40
आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

(क) हिंदी उपन्यास : (i) गोदान - प्रेमचंद
(ii) बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद द्विवेदी
(iii) मैला आँचल - फणीश्वरनाथ 'रेणु'
(iv) धरती धन न अपना - जगदीश चंद्र
(v) रेहन पर रघू - काशीनाथ सिंह

(ख) हिंदी कहानी : (i) कफन - प्रेमचंद
(ii) उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
(iii) भेड़िये - भुवनेश्वर
(iv) तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु
(v) शरणदाता - अज्ञेय
(vi) पिता - ज्ञानरंजन
(vii) जिंदगी और जोंक - अमरकांत
(viii) चीफ़ की दावत - भीष्म साहनी
(ix) यही सच है - मन्नू भंडारी
(x) पार्टीशन - स्वयं प्रकाश
(xi) सागर सीमांत - संजीव
(xii) सलाम - ओमप्रकाश वाल्मीकि

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 = 24

2. व्याख्यात्मक प्रश्न : 4X4 = 16

40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

कुल - 50

सेमेस्टर - 3

हिंदी नाटक

पत्र : 302

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

| | |
|--------------------|------------------------|
| (क) अंधेर नगरी | - भारतेन्दु हरिश्चंद्र |
| (ख) स्कंदगुप्त | - जयशंकर प्रसाद |
| (ग) आधे-अधूरे | - मोहन राकेश |
| (घ) रीढ़ की हड्डी | - जगदीशचंद्र माथुर |
| (ङ) ताँबे के कीड़े | - भुवनेश्वर |
| (च) औरत | - सफदर हाशमी |

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 = 24

2. व्याख्या : 2X8 = 16

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 3 प्रोजेक्ट वर्क (अनुनियोजित कार्य)

पत्र : 303

कुल अंक : 50

लिखित अधिनिबंध - 40

मौखिक

[एक वाह्य परीक्षक (external examiner) की उपस्थिति में] - 10

प्रोजेक्ट वर्क (अनुनियोजित कार्य) (Project Work)

लिखित अधिनिबंध का विषय हिंदी साहित्य की विविध विधाओं (आधुनिक कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध, आलोचना आदि) पुस्तक विशेष की समीक्षा तथा रचनाकार विशेष (आधुनिक), प्रवृत्ति विशेष (आधुनिक), युग विशेष (आधुनिक), भाषा एवं साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, भाषा विज्ञान आदि पर आधारित होगा।

लिखित अधिनिबंध की शब्द सीमा लगभग 5000 (पांच हजार) होगी।

सेमेस्टर - 3
हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी
Syllabus for Choice Based Credit System (CBCS)

पत्र : 304

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

| | |
|-----------------------|---|
| (क) हिंदी भाषा | : उद्भव एवं विकास, हिंदी की बोलियाँ |
| (ख) प्रयोजनमूलक हिंदी | : स्वरूप एवं प्रयोग क्षेत्र। |
| (ग) अनुवाद | : परिभाषा एवं महत्त्व, प्रकार, क्षेत्र एवं समस्याएँ और व्यावहारिक अनुवाद। |
| (घ) हिंदी पत्रकारिता | : उद्भव एवं विकास। |
| (ङ) मीडिया | : स्वरूप, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया। |

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 =24

2. टिप्पणी : 4X4 = 16

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 4
हिंदी गद्य की विविध विधाएँ

पत्र : 401
कुल अंक : 50

लिखित - 40
आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

हिंदी गद्य की विविध विधाएँ

(क) मेरी जीवन-यात्रा (प्रथम खंड) : राहुल सांकृत्यायन

| | | |
|-------------|------------------|-------------------------|
| प्रथम खंड | - दसवाँ अध्याय | - प्रथम उड़ान |
| द्वितीय खंड | - प्रथम अध्याय | - वैराग्य का भूत |
| तृतीय खंड | - नौवाँ अध्याय | - चित्रकूट की छाया में |
| चतुर्थ खंड | - द्वितीय अध्याय | - बाढ़ पीड़ितों की सेवा |
| | चतुर्थ अध्याय | - बक्सर जेल में छः मास |

(ख) रेखाचित्र - स्मृति की रेखाएँ : महादेवी वर्मा (भक्तिन, चीनी फेरीवाला, ठकुरी बाबा)

(ग) रिपोर्टाज - ऋणजल - धनजल : रेणु

(घ) निबंध - चिंतामणि भाग - 1 रामचंद्र शुक्ल (क्रोध, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था)

(ङ) व्यंग्य - वैष्णव की फिसलन : हरिशंकर परसाई
(वैष्णव की फिसलन, अकाल उत्सव, कबीर समारोह क्यों नहीं)

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 =24

2. व्याख्या : 2X8 = 16

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 4

हिंदी पत्रकारिता

पत्र : 402
कुल अंक : 50

लिखित - 40
आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

- (क) पत्रकारिता : स्वरूप, महत्त्व, इतिहास।
- (ख) नवजागरणकालीन हिंदी पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, स्वाधीनता आंदोलन काल की पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता की प्रमुख विशेषताएँ।
- (ग) पीत पत्रकारिता, प्रतिष्ठानी पत्रकारिता, स्वतंत्र पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता।
- (घ) प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया, समाचार के मूल तत्त्व, समाचार के प्रमुख स्रोत, लघु पत्रिका।
- (ङ) संपादन कला : अर्थ और महत्त्व, अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य, प्रेस की आजादी।

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 =24

2. टिप्पणियाँ : 4X4 = 16

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 4

अनुवाद विज्ञान

पत्र : 403
कुल अंक : 50

लिखित - 40
आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

अनुवाद विज्ञान

- (क) अनुवाद : परिभाषा और महत्त्व।
प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, लिप्यंतरण, आशु अनुवाद।
- (ख) अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : अनुवाद के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन।
- (ग) अनुवाद के क्षेत्र और समस्याएँ : कार्यालयी अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद।
अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कंप्यूटर।
- (घ) अनुवाद व्यावहारिक : किसी अंग्रेजी सामग्री का हिंदी अनुवाद एवं किसी हिंदी सामग्री का अंग्रेजी अनुवाद।

अंक विभाजन :

| | |
|------------------------|------------|
| 1. आलोचनात्मक प्रश्न | : 2X10 =20 |
| 2. टिप्पणियाँ | : 2X5 = 10 |
| 3. व्यावहारिक अनुवाद | : 2X5 = 10 |
| | 40 |
| 3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन | 10 |
| | |
| कुल | - 50 |

सेमेस्टर - 4
विशेष अध्ययन-पत्र

पत्र : 404
कुल अंक : 50

लिखित - 40
आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

विशेष अध्ययन पत्र (अ)
प्रेमचंद

- (क) उपन्यास : रंगभूमि, राबन
(ख) कहानियाँ : ईदगाह, ठाकुर का कुआँ, मुक्तिमार्ग, सद्गति, सवा सेर गेहूँ, नमक का दारोगा, दो बैलों की कथा।
(ग) निबंध संग्रह : कुछ विचार (केवल साहित्य का उद्देश्य निबंध निर्धारित है।)
(घ) नाटक : कर्बला

विशेष अध्ययन-पत्र (आ)
निराला

- (क) राग विराग : निम्नांकित कविताएँ निर्धारित हैं।
जुही की कली, जागो फिर एक बार-2, बादल राग-6, राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया, कुकुरमुत्ता, राजे ने रखवाली की, जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ, तोड़ती पत्थर, भारति जय-विजय करे।
(ख) उपन्यास : कुल्ली भाट, अप्सरा।
(ग) कहानियाँ : देवी, चतुरी चमार, भक्त और भगवान
(घ) निबंध : हिंदी कविता, साहित्य की प्रगति, हमारे साहित्य का ध्येय।

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2X12 = 24

2. व्याख्या : 2X8 = 16

.....
40
3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50